

तेरा जब संकट काटूंगी मने पहले चाहिए भोग रे लिरिक्स



तेरा जब संकट काटूंगी,
मने पहले चाहिए भोग रे,
मैने पहले चाहिए भोग रे,
तेरा जब काटूंगी रोग रे,
तेरा जब संकट काटूंगी,
मने पहले चाहिए भोग रे।bd।

मरघट से खाकर चालू हूं,
पहला खप्पर भरवालू हूं,
जिक्क्या पर खून रचालयूं,
जब करती चालू भोग रे,
तेरा जब संकट काटूंगी,
मने पहले चाहिए भोग रे।bd।

जो जैसी भेंट चढ़ावे,
वह वैसा काम करवावे,
मने मदिरा जीव दिखावे,
ये स्याने भोले लोग रे,
तेरा जब संकट काटूंगी,
मने पहले चाहिए भोग रे।bd।

तू ईसा मस्ती में टुल्या,
मेरा पान और पेड़ा भुलया,
तू हांडे फूल्या फुल्या,
मेरा कीत से काला डोग रे,
तेरा जब संकट काटूंगी,
मने पहले चाहिए भोग रे।bd।

तेरी जली जोत पे आई,
और के चावे अन्यायि,
मेरी भेंट तलक ना लाई,
तेरे सारे मेटे शोक रे,
तेरा जब संकट काटूंगी,

मने पहले चाहिए भोग रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



तेरी कहे तो गर्दन तोड़ूं,
ना कहे रास्ता मोड़ूं,
अशोक भगत ना छोड़ूं,
के मने रिझावे योग रे,
तेरा जब संकट काटूंगी,
मने पहले चाहिए भोग रे।bd।

तेरा जब संकट काटूंगी,
मने पहले चाहिए भोग रे,
मैंने पहले चाहिए भोग रे,
तेरा जब काटूंगी रोग रे,
तेरा जब संकट काटूंगी,
मने पहले चाहिए भोग रे।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक।
प्रेषक – दानवीर वत्स।
9541234510